ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-09-2025

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-09-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-09-24	2025-09-25	2025-09-26	2025-09-27	2025-09-28
वर्षा (मिमी)	3.0	3.0	1.0	1.0	3.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	24.0	23.0	23.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	16.0	15.0	15.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	89	90	88	89	84
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	64	62	58	59	52
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	5	5	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	17	160	150	260	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	1	0	2
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में 1-3 मिमी हल्की बूंदाबांदी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 23-24 डिग्री सेल्सियस और 15-16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। हवाएँ उत्तर-पूर्व, दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-दक्षिण, पश्चिम-दक्षिण और पश्चिम दिशा से 4-6 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। 23, 24, 28 और 29 सितंबर को कुछ स्थानों पर गरज के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश का अनुमान है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी नहीं।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस

उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 19.09.2025 से 25.09.2025 के दौरान भारी कम वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए आगामी सप्ताह में सभी कृषि गतिविधियां निर्धारित की जा सकती हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	चावल की फसल रोग/कीटों से ग्रस्त होती है, इसलिए फसल में रोग/कीटों को नियंत्रित करने के लिए रासायनिक छिड़काव करना चाहिए। तेज़ हवाओं में रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए और कटाई के बाद तैयार चावल की किस्मों को भंडारण से पहले अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए।
मक्का	ऊँची पहाड़ियों पर, फसल की उचित निगरानी करें और भुट्टे बनने पर मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें। झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए मैंकोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लू पी का 1.5-2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर 750-800 लीटर पानी में घोलकर रासायनिक छिड़काव करें और दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करें। रासायनिक छिड़काव साफ़ मौसम में ही करें और तेज़ हवाओं में न करें। मक्के की अगेती किस्मों को काटकर भंडारण से पहले अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए।
रागी	बाजरे की देर से पकने वाली किस्मों में, फसल की निगरानी करते रहें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुँचाता है। इसकी रोकथाम के लिए, प्रभावित क्षेत्र पर साफ़ मौसम में रासायनिक छिड़काव करना चाहिए और तेज़ हवाओं से बचना चाहिए। बाजरे की परिपक्व किस्मों को भंडारण से पहले अच्छी तरह से काटकर सुखा लेना चाहिए।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	जैसे ही फलियाँ बनना शुरू होती हैं, हल्की सिंचाई करके मिट्टी की नमी बनाए रखनी चाहिए। यदि फली छेदक दिखाई दे, तो फली छेदक की संख्या निर्धारित करने के लिए फेरोमोन का प्रयोग करना चाहिए और यदि ई. टी. एल. से ऊपर हो, तो जैविक नियंत्रण उपायों का प्रयोग करना चाहिए। सभी प्रयोग साफ़ मौसम में करने चाहिए।
सोयाबीन	फसल की नियमित निगरानी करें और तना मक्खी होने पर क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी 150 मिलीलीटर को 700-800 लीटर पानी में मिलाकर डालें। यह छिड़काव साफ मौसम में करें और तेज हवाओं में न करें।
काला चना	फसल वानस्पतिक अवस्था में है, इसलिए नियमित निगरानी और निराई आवश्यक है और फली बनने की अवस्था में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। रासायनिक छिड़काव से सफेद मक्खी की आबादी को नियंत्रित किया जाना चाहिए और फली पकने पर फसल की कटाई करके भंडारण से पहले उसे अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए।
मूँग	फसल वानस्पतिक अवस्था में है, इसलिए नियमित निगरानी और निराई आवश्यक है और फली बनने की अवस्था में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। रासायनिक छिड़काव से सफेद मक्खी की आबादी को नियंत्रित किया जाना चाहिए और फली पकने पर फसल की कटाई करके भंडारण से पहले उसे अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	रोपी गई फसल में हल्की गुड़ाई करनी चाहिए तथा जड़ों को ढकने के लिए मिट्टी का प्रयोग करना चाहिए।
गाजर	अंकुरण के बाद नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा पौधे से पौधे के बीच की दूरी बनाए रखनी चाहिए।
मूली	मूली की फसल में मिट्टी में नमी बनाए रखें और आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। एक सिंचाई बुवाई के तुरंत बाद और दूसरी सिंचाई 3-4 पत्तियाँ आने पर करें।
बाकला	इस महीने में बुवाई की जा सकती है और बुवाई के तुरंत बाद मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई की जा सकती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	15 दिनों के बाद बछड़ों को कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक, आयरन, आयोडीन और तांबा तत्वों को नमक मिश्रण या खनिज बूंदों के रूप में सेवन करना चाहिए।
भेंस	'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए खुरों को 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में सुबह-शाम 2-3 मिनट के लिए कम से कम 3 दिनों तक डुबोकर रखना चाहिए।
बकरा	ग्रामीण क्षेत्रों में, भेड़ और बकरियों को टेटनस टॉक्सॉइड के दो इंजेक्शन एक महीने में और दूसरा पाँच महीने में दिए जाने चाहिए, ताकि नवजात मेमनों को टेटनस रोग न हो।
भेड़	ग्रामीण क्षेत्रों में, भेड़ और बकरियों को टेटनस टॉक्सॉइड के दो इंजेक्शन एक महीने में और दूसरा पाँच महीने में दिए जाने चाहिए, ताकि नवजात मेमनों को टेटनस रोग न हो।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई प्रभाव नहीं ।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई परामर्श नहीं, क्योंकि कोई महत्वपूर्ण प्रभाव अपेक्षित नहीं है।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details